B.A. Part - 3, Paper - 5 (Social Psychology)

Topic: नेता या नेतृत्व के सामान्य गुण
(Common Attributes or Traits of Leadership)

नेतृत्व के सामान्य गुण (Common Attributes or Traits of Leadership):→ नेता स्वभावतः ही एक साधारण व्यक्ति नहीं होता है। उसके कुछ विशिष्ट गुण या लक्षण अवश्य ही होते हैं। ये गुण ही दूसरों के दिल में उसके प्रति सम्मान व श्रद्धा की भावना को पनपाने में सहायक होते हैं। उसी के आधार पर नेतृत्व पनपता है। नेतृत्व के ये सामान्य गुण इस प्रकार हैं।

(1) आकर्षण डील डौल (Attractive Physique) → विद्वानों का कथन है कि सुंदर चेहरा, अच्छी ऊँचाई व उत्तम स्वास्थ्य नेतृत्व के सामान्य शारीरिक गुण हैं। नेता के चेहरे में एक 'भारीपन' होना चाहिए जिससे कि दूसरे लोग उससे सहज ही प्रभावित हो जाएँ। उसी प्रकार कद ऊँचा होना भी नेतृत्व का एक सामान्य गुण माना जाता है। यद्यपि सभी नेता ऊँचे कद के ही होते हैं ऐसा कहना अनुचित होगा। श्री लाल बहादुर शास्त्री जी बहुत नाटे कद के होते हुए भी एक ख्याति प्राप्त नेता थे। शारीरिक गुणों में स्फूर्ति व स्वास्थ्य (energy and health) का भी नेतृत्व में अत्यन्त महत्व है। नेता को पर्याप्त दौड़-भाग और काम करना पड़ता है और साथ ही उसे अनेक गम्भीर उत्तरदायित्वों का बोझ उठाना पड़ता है। इसके लिए स्फूर्ति व स्वास्थ्य दोनों ही परमावश्यक हैं।

(2) बुद्धि (Intelligence) :→ कोई मूढ़ व्यक्ति भी नेता बन गया है, यह आज तक सुना नहीं गया है। बुद्धि एक बहुत बड़ा धन है जो कि व्यक्ति को नेता बनने में मदद करता है। नेता अपने उत्तरदायित्वों को तब तक निभा नहीं सकता जब तक उसे बुद्धि की शक्ति प्राप्त न हो। साथ ही प्रो० वेब का मत है कि व्यावहारिक व आधुनिक क्षेत्रों में बौद्धिक योग्यता नेतृत्व का महत्वपूर्ण आधार नहीं है।

(3) आत्म विश्वास (Self Confidence) → गम्भीर उत्तरदायित्वों को निभाने, लोगों को सही रास्ते में संचालित करने तथा कठिन से कठिन परिस्थिति में भी न घबराते हुए सबको साथ लेकर आगे बढ़ने का काम आत्म-विश्वास के बिना सम्भव नहीं। इसीलिए आत्म-विश्वास को नेतृत्व का एक महत्वपूर्ण गुण माना गया है। अगर आत्म-विश्वास न होता तो सब प्रकार के अस्त्र-शस्त्र से बलवान अंग्रेज शासक

के विरुद्ध निरस्त्र गाँधीजी कदापि अहिंसक आन्दोलन चलाने का साहस न करते।

④ मिलनसारिता [Sociability]:→ नेता को सबसे मेलजोल रखने वाला एक व्यक्ति होना चाहिए। सबसे प्रेम पूर्वक मिलने का गुण नेता की लोकप्रियता को बढ़ाता है। साथ ही, मिलनसार न होने पर नेता अपने अनुयायियों के मनोभाव विचारों, भावनाओं तथा सुख-दुख को ठीक से समझ न सकेगा और नेता व अनुयायियों के बीच एक खाई बन जायेगी।

⑤ संकल्प शक्ति [Will Power]:→ नेता को अनेक कठिन परीक्षाएँ देनी होती हैं। अनेक विषम परिस्थितियों में से होकर गुजरना होता है। ऐसी अवस्था में नेता में दृढ़ संकल्प-शक्ति का होना परमावश्यक है। वह तो वज्र की भाँति कठोर हो और अपने आदर्शों पर मर-मिटने की इच्छा उसमें दृढ़ हो। तभी वह जनता का सच्चा पथ-प्रदर्शक बन सकता है। बैंकों के राष्ट्रीयकरण के मामले में प्रधान मंत्री श्रीमती इन्दिरा गाँधी ने समस्त प्रतिरोधों को लांघकर महा संकल्प-शक्ति का परिचय दिया है।

⑥ परिश्रमी [LABORIOUS]:→ इसका मेहनत का गुण हर सफल नेता में होता है। नेता जानता है कि मेहनत का फल मीठा होता है, मेहनत के बिना सफल नेता तो क्या सफल नौकर भी नहीं बना जाता। अपने परिश्रम व लगन के द्वारा ही नेता सबका प्रिय बन जाता है।

⑦ कल्पना-शक्ति [Power of imagination]:→ भविष्य में क्या-क्या करना चाहिए अथवा भविष्य में कौन-कौन-सी सम्भावित परिस्थितियों का उद्भव हो सकता है, इस सम्बन्ध में पहले से ही कल्पना कर लेने की शक्ति जिस नेता में जितनी अधिक होगी वह उतना ही सफल नेता बन सकेगा क्योंकि उसी कल्पना-शक्ति के आधार पर उसे भविष्य की योजनाएँ तथा कार्यक्रम बनाने में और समस्याओं का हल खोजने में मदद मिलेगी।

⑧ अन्तर्दृष्टि [Foresight]:→ नेतृत्व का एक और सामान्य गुण अन्तर्दृष्टि है क्योंकि इसी क्षमता के आधार पर वह किसी क्रिया के प्रति अपने अनुयायियों द्वारा की जाने वाली सम्भावित प्रतिक्रियाओं का अन्दाजा लगा सकता

है और साथ ही अनेक विषयों के सम्बन्ध में भविष्यवाणी कर सकता है और आने वाले खतरों के विषय में लोगों को सचेत भी कर सकता है।

(व) लचीलापन [Flexibility] :→ सफल नेतृत्व का उल्लेखनीय रहस्य यह है कि नेता के व्यक्तित्व में लचीलापन हो अर्थात् युग की आवश्यकता के अनुसार उसमें अपने में परिवर्तन कर लेने की क्षमता व प्रवृत्ति हो। रूढ़िवादी (Conservative) नेता आधुनिक द्रुत परिवर्तनशील समाज के साथ कदम मिलाकर चल नहीं सकता और इसीलिए ऐसे नेता के द्वारा सामान्य हितों की पूर्ति व रक्षा नहीं हो सकती। उसमें तो समय की पुकार को समझकर अपने-आपको उसी अनुसार बदल लेने की तत्परता होनी चाहिए।

उपरोक्त विवेचना से यह निष्कर्ष नहीं निकालना चाहिए कि सभी नेताओं में उपरोक्त सभी गुण समान मात्रा में होते हैं अथवा इन गुणों के अतिरिक्त अन्य कोई गुण नहीं होते। यह दोनों ही निष्कर्ष गलत होंगे। नेताओं का व्यक्तित्व किसी निश्चित साँचे में ढलता नहीं है कि सबमें समान गुण या विशेषताएँ होंगी ही। व्यक्तिगत भिन्नताएँ स्वाभाविक हैं, इसीलिए विभिन्न नेताओं के व्यक्तित्व के गुणों में भी भिन्नताएँ स्वाभाविक हैं। यह भिन्नता मात्रा तथा प्रकार (degree and kinds) दोनों में ही हो सकती है।